

एंथ्रेक्स: आपको क्या मालूम होना चाहिए

Anthrax: What You Need to Know

What Is Anthrax?

Anthrax is a serious disease caused by bacteria that forms spores. Anthrax can make you sick by getting into your skin, lungs or digestive system. It can be deadly if untreated.

How Do You Get Anthrax?

The most common and also the most deadly form of anthrax is inhalation anthrax, which is caused by breathing in anthrax spores. People can also get anthrax from touching or eating an infected animal or breathing in spores from an infected animal. Anthrax can also be used as a weapon. In 2001, 22 people got sick when anthrax was put into the mail.

You cannot catch anthrax from another person or spread it to others.

What Happens If I Get Anthrax?

People usually get sick within 1 to 7 days of exposure to anthrax, but if it is in your lungs it may take 42 days before you get sick.

It may cause your skin to blister or have sores. You may have a sore throat, mild-fever, headache, cough and breathing problems.

You will need to be treated with medicine because anthrax can cause serious illness or death.

एंथ्रेक्स क्या है?

एंथ्रेक्स एक गंभीर रोग है जो स्पोर (जीवाणु) बनाने वाले बैक्टीरिया के कारण होता है। एंथ्रेक्स आपकी त्वचा, फेफड़ों या पाचन तंत्र में प्रवेश करके आपको बीमार बना सकता है। यदि उपचार न हो तो यह घातक हो सकता है।

आपको एंथ्रेक्स कैसे होता है?

एंथ्रेक्स का सर्वाधिक आम और सबसे अधिक प्राणघातक रूप प्रश्वसन एंथ्रेक्स है, जो एंथ्रेक्स बीजाणुओं को साँस में लेने के कारण उत्पन्न होता है। किसी संक्रमित जानवर को छूने या उसका मांस खाने अथवा संक्रमित जानवर से उत्पन्न जीवाणुओं की उपस्थिति में साँस लेने से भी लोगों को एंथ्रेक्स हो सकता है। एंथ्रेक्स का प्रयोग एक हथियार के रूप में भी किया जा सकता है। वर्ष 2001 में, चिट्ठियों में एंथ्रेक्स डालकर भेजने से 22 लोग बीमार पड़ गए थे।

आपको किसी अन्य व्यक्ति से एंथ्रेक्स नहीं हो सकता या आप इसे अन्य लोगों तक नहीं फैला सकते।

यदि मुझे एंथ्रेक्स हो जाए तो क्या होगा?

एंथ्रेक्स के संपर्क में आने वाले लोग आम तौर पर 1 से 7 दिनों में बीमार पड़ जाते हैं, लेकिन यदि यह आपके फेफड़ों में हो तो यह आपको बीमार करने में 42 दिन का समय ले सकता है।

इसके कारण आपकी त्वचा पर फफोले या फोड़े-फुंसियां हो सकते हैं। आपके गले में तकलीफदेह सूजन, बुखार, सिर दर्द, खांसी और साँस संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

आपको औषधियों से उपचार कराने की आवश्यकता होगी क्योंकि एंथ्रेक्स के कारण गंभीर बीमारी या मृत्यु भी हो सकती है।

How Is Anthrax Treated?

There is no way to test for anthrax before you get sick.

Antibiotics are used to treat all types of anthrax. Health-care workers will give you medicine (doxycycline or ciprofloxacin). This medicine can help prevent an anthrax infection, even if you don't feel sick.

You may have to take this medicine for 60 days. The medicine can cause nausea, diarrhea, headache or a yeast infection (women only), but it is important that you keep taking the medicine until it is gone.

Children have to take different amounts of the medicine than adults. Health-care workers have information on how to give medicine to children and babies.

Is There An Anthrax Vaccine?

There is an anthrax vaccine, which is recommended for adults 18 through 65 years of age **who are at risk of exposure to anthrax bacteria**, such as certain laboratory workers and people who handle potentially infected animals. These people should get three doses of vaccine: the first dose when risk of a potential exposure is identified, and the remaining doses at one and six months after the first dose. After the six-month dose, the vaccine recipient is considered protected and can work in areas where there is a risk of exposure to anthrax. Boosters at 12 and 18 months, and annually thereafter, are recommended for ongoing protection.

एंथ्रेक्स का उपचार कैसे होता है?

जब तक आप बीमार न पड़ जाएं तब तक एंथ्रेक्स का पता लगाने का कोई तरीका नहीं है।

सभी प्रकार के एंथ्रेक्स के उपचार के लिए एंटीबायोटिक का प्रयोग किया जाता है। स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले कर्मचारी आपको दवा (डॉक्सीसाइक्लाइन या सिप्रोफ्लोक्सेसिन) देंगे। यह दवा एंथ्रेक्स के संक्रमण से बचाव में सहायता कर सकती है, भले ही आप बीमार महसूस न करें।

आप यह दवा 60 दिन तक ले सकते हैं। इस दवा की वजह से मतली, दस्त, सिर दर्द, या जननेन्द्रिय अंग में यीस्ट फंगस के कारण संक्रमण होना (सिर्फ महिलाओं में) हो सकता है, लेकिन जब तक यह दूर न हो जाए तब तक दवा लेते रहना महत्वपूर्ण है।

वयस्कों की तुलना में बच्चों को दवा की भिन्न-भिन्न मात्रा लेनी होती है। बच्चों और नन्हे शिशुओं को किस प्रकार दवा देनी है इस बारे में स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले कर्मचारियों के पास जानकारी होती है।

क्या एंथ्रेक्स के लिए कोई टीका है?

एंथ्रेक्स के लिए टीका है, जिसे 18 वर्ष की आयु से लेकर 65 वर्ष की आयु के वयस्कों के लिए संस्तुत किया जाता है, **जो एंथ्रेक्स बैक्टीरिया के संपर्क में आने का जोखिम रखते हैं**, जैसे कि कुछ प्रयोगशाला कर्मी और वे लोग जो संभावित संक्रमित जानवरों के संपर्क में आते हैं। इन लोगों को टीके (वैक्सीन) की तीन खुराकें मिलनी चाहिए: पहली खुराक तब दी जाती है, जब संभावित जोखिम की पहचान की जाती है, और शेष खुराकें पहली खुराक के एक महीने और छह महीने बाद। छह महीने की खुराक के बाद, टीका लगाने वाले को संरक्षित माना जाता है और उन क्षेत्रों में काम कर सकता है, जहाँ एंथ्रेक्स के संपर्क में आने का खतरा होता है। निरंतर सुरक्षा के लिए, उसके बाद 12 और 18 महीने पर, और फिर वार्षिक रूप से बूस्टर्स लेने की संस्तुति की जाती है।

Anthrax vaccine is also recommended for **unvaccinated people of all ages who have been exposed to anthrax**. The vaccine has not been studied or used in children less than 18 years of age and its use in exposed children must be under an Investigational New Drug (IND) program and requires informed consent from a parent or legal guardian. These people should get three doses of vaccine together with recommended antimicrobial drugs: the first vaccine dose as soon after exposure as possible, and the remaining doses two and four weeks after the first.

एंथ्रेक्स वैक्सीन की संस्तुति **हर उम्र के उन लोगों के लिए भी की जाती है, जिन्हें टीका नहीं लगा है**, और जो एंथ्रेक्स के संपर्क में आ चुके हैं। टीके का 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर अध्ययन या उसका उपयोग नहीं किया गया है और रोगाणु के संपर्क में आ चुके बच्चों में इसका उपयोग एक अनुसंधानात्मक नई दवा (IND) कार्यक्रम के अंतर्गत होना चाहिए और जिसमें माता-पिता या कानूनी अभिभावक से संसूचित सहमति की आवश्यकता होती है। इन लोगों को अनुशंसित रोगाणुरोधी दवाओं के साथ वैक्सीन की तीन खुराकें मिलनी चाहिए: वैक्सीन की पहली खुराक रोगाणु के संपर्क में आने के बाद यथाशीघ्र, और शेष खुराकें पहली खुराक के दो सप्ताह और चार सप्ताह बाद।